

उनवान

रयाजी
 बनान सीतलाल

अधिवक्ता बादी :- श्री विवक चौधरी

अधिवक्ता प्रतिवादीगण :- श्री कैलाश चौधरी

निर्णय दिनांक : 20.9.2017

प्रार्थना पत्र मौक की रिपोर्ट हेतु कमिश्नर नियुक्त बाबत

निर्णय

अधिवक्ता प्रतिवादी ने प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा में प्रार्थना पत्र मौक की रिपोर्ट हेतु कमिश्नर नियुक्त करने का संक्षेप में विवरण इस प्रकार है कि प्रकरण में मूँसे 128 के बटल नम्बरो के आधार पर है जबकि रिकार्ड नम्बरा पीट में ख070 128 के बटल नम्बरो का अंकन नहीं है जिसकी वजह से पक्षकारों के अनावश्यक विवाद उत्पन्न हो रहा है प्रकरण के निस्तारण के कारण मौका रिपोर्ट तलब की जाना न्याय संगत है तथा बाद मुस्त मूँसे पर अनको लोगो के मकान बाजा अने हुए है और काश्त भी कर रहे है इस कारण विवादित मूँसे की मौका रिपोर्ट समावाड़े जाने हेतु कमिश्नर नियुक्त किया जावे ।

अधिवक्ता बादी की और से प्रार्थना पत्र में बादी के प्रार्थना पत्र के जवाब में निवेदन किया है कि प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं है, बादी उक्त आराजीयात का रिकार्ड काबिल करने के लिए न्यायालय द्वारा मौका कमिश्नर नियुक्त नहीं किया जा सकता अप्रार्थी कब्जा करने के लिए न्यायालय द्वारा मौका कमिश्नर नियुक्त नहीं किया जा सकता अर्थात् प्रार्थना पत्र को हिले करने की नियत से प्रार्थना पत्र पेश किया है प्रार्थना पत्र सादर हीने से खारिज करमाया जावे ।

इसने बादी प्रतिवादी अधिवक्ता की बहस सुनी। वकील बादी ने प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को दौहराते हुए प्रार्थना पत्र स्वीकार करने का निवेदन किया तथा प्रतिवादी अधिवक्ता ने दौहराने बहस में प्रार्थना पत्र के जवाब में अंकित तथ्यों को दौहराते हुए प्रार्थना पत्र खारिज करने का निवेदन किया

इसने प्रार्थना पत्र एवं उसके जवाब एवं अभिमाषकगणों की बहस व प्रस्तुत नजीर का अंगीकन किया । अतः कमिश्नर द्वारा मौका निरीक्षण आवेदन खारिज योग्य है, चूंकि रयाजी निषेधाज्ञा हेतु बाद -साक्ष्य एकत्रित करने हेतु कमिश्नर नियुक्त नहीं किया जा सकता कब्जा का तथ्य मूल बाद में साक्ष्य द्वारा पक्षकारों को साबित करना है अतः प्रार्थना पत्र मौक की रिपोर्ट हेतु कमिश्नर नियुक्त करने का सादर हीने आधार हीने से खारिज किया जाता है ।

निर्णय खुले में न्यायालय आज दिनांक 20.9.2017 को सुनाया गया



(सुश्री रक्षा पाटीक)

आर.ए.एस

उपखण्ड अधिकारी पीपल